

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	'नागौरी अश्वगंधा' को GI टैग (राजस्थान का 23वाँ उत्पाद)
2.	विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग : राजस्थान के 44 युवाओं का चयन
3.	सीकर से 'कौशल रथ' का शुभारंभ
4.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. 'अलवर टाइगर मैराथन' के ब्रांड एंबेसडर : रणदीप हुड्डा 2. IIT जोधपुर और NLU जोधपुर के मध्य समझौता ज्ञापन 3. जोनल रिव्यू कॉन्फ्रेंस : उदयपुर 4. हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड और सिलॉक्स इंडिया के मध्य MoU 5. राज्य स्तरीय पुलिस सम्मेलन : जयपुर 6. राजीविका एवं बयरफुट कॉलेज के मध्य MoU 7. राजस्थान की पहली OBRC लैब : बीकानेर 8. 7वें रोल बॉल विश्व कप में राजस्थान के 3 खिलाड़ी
5.	भारतीय मानक ब्यूरो-BIS
6.	अन्तर्राष्ट्रीय चरागाह एवं पशुपालक वर्ष
7.	आर्कटिक रिपोर्ट कार्ड - ARC-2025
8.	रेसिड्यू अपग्रेडेशन फैसिलिटी - RUF और हाइड्रोक्रैकिंग प्रौद्योगिकी
9.	बैंकों की सकल गैर-निष्पादित परिसम्पत्तियाँ - NPA
10.	किफायती आवास को बढ़ावा देने के लिए फ्रेमवर्क रिपोर्ट
11.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. भारतीय रेलवे



राजस्थान परिदृश्य

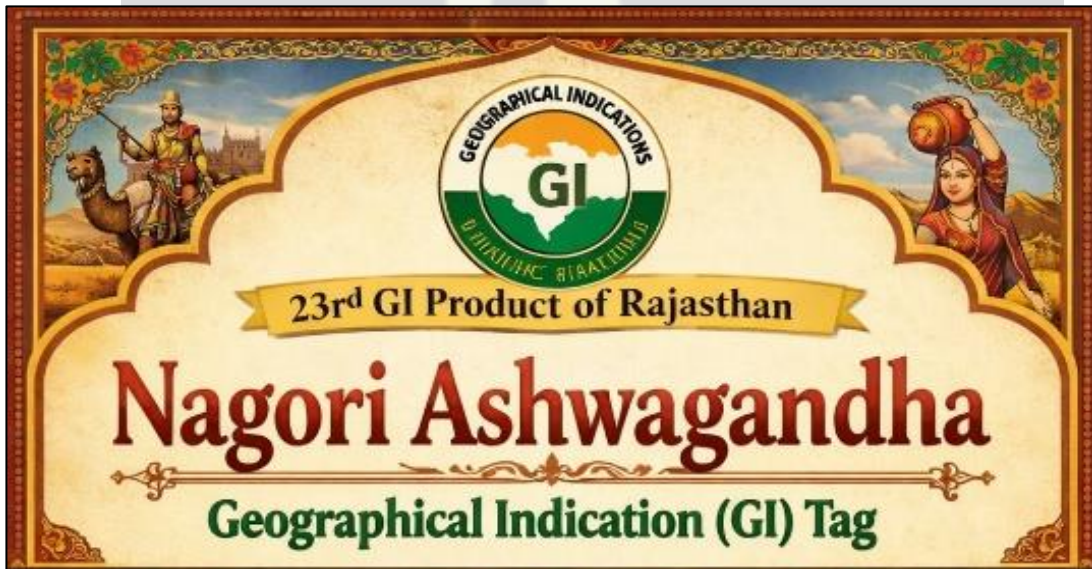


'नागौरी अश्वगंधा' को GI टैग (राजस्थान का 23वाँ उत्पाद)



चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, 'नागौरी अश्वगंधा' को आधिकारिक रूप से भौगोलिक संकेतक (GI Tag) प्रदान किया गया।



--2--

मुख्य बिन्दु:

- नागौरी अश्वगंधा के GI टैग सूची में शामिल होने के साथ ही राजस्थान के GI प्रमाणित उत्पादों की संख्या 23 हो गई है।
- 'नागौरी अश्वगंधा' सोजत की मेहंदी के बाद कृषि श्रेणी में GI टैग प्राप्त करने वाला राजस्थान का दूसरा उत्पाद है।
- यह 'मकराना संगमरमर' के बाद नागौर ज़िले का दूसरा भौगोलिक संकेतक (GI Tag) उत्पाद है।

अश्वगंधा के बारे में:-

- **वैज्ञानिक नाम** : विथानिया सोम्नीफेरा (Withania somnifera)
- यह एक अत्यंत प्रभावी और सुरक्षित औषधीय जड़ी-बूटी है। यह तनाव (Stress) और चिंता (Anxiety) को कम करने में विशेष रूप से प्रभावी है और कोर्टिसोल (स्ट्रेस हार्मोन) के स्तर को नियंत्रित करता है।
- **कृषि** : अश्वगंधा की खेती मुख्य रूप से शुष्क और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में की जाती है। राजस्थान में नागौर का शुष्क वातावरण और बलुई मिट्टी इस फसल के लिए अत्यंत उपयुक्त है।

भौगोलिक संकेतक:-

- GI टैग यानी भौगोलिक संकेतक किसी निश्चित भौगोलिक क्षेत्र में उत्पन्न कृषि, प्राकृतिक, औद्योगिक या हस्तनिर्मित उत्पाद के गुणों को सूचित करने हेतु प्रदान किया जाता है।
- यह उस उत्पाद को दिया जाता है जो विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र में 10 वर्ष या उससे अधिक समय से उत्पादित किया जा रहा हो।
- अंतरराष्ट्रीय स्तर पर GI टैग विश्व व्यापार संगठन (WTO) द्वारा व्यापार संबंधित बौद्धिक संपदा अधिकार (TRIPS) समझौते के तहत दिया जाता है।

Daily Current Affairs

Date : 08 January, 2026



- भारत में GI टैग को भौगोलिक संकेतक (पंजीकरण और सुरक्षा) अधिनियम, 1999 (वर्ष 2003 में लागू) के द्वारा नियंत्रित किया जाता है।
- भारत का पहला GI टैग वर्ष 2004 में दार्जिलिंग की चाय को दिया गया था, वहीं राजस्थान का पहला GI टैग वर्ष 2005 (05 जुलाई, 2005) में कोटा डोरिया को प्रदान किया गया था।
- **GI टैग रजिस्ट्री कार्यालय : चेन्नई (तमिलनाडु)**
ग्रामीण गैर-कृषि विकास प्राधिकरण :
- राजस्थान सरकार द्वारा ग्रामीण गैर-कृषि विकास अभिकरण (रूडा) की स्थापना नवम्बर, 1995 ई. में एक स्वतंत्र अभिकरण के रूप में राज्य में ग्रामीण गैर-कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए एक स्वतंत्र एजेंसी के रूप में की गई थी। राजस्थान में यह गैर-कृषि के क्षेत्र में GI टैग की अनुशंसा करता है।

GI टैग प्राप्त राजस्थान के 23 उत्पाद

राजस्थान

- सांगरी को कुल उत्पादों में 22वाँ तथा खाद्य उत्पादों में 17वाँ GI टैग मिला है।

जयपुर

- बगरू प्रिंट
- ब्लू पॉटरी
- ब्लू पॉटरी (लोगो)
- सांगानेरी प्रिंट

नाथद्वारा (राजसमंद)

- मोलेला का टेराकेटा
- मोलेला (लोगो)
- पिछवाई कला

--:4:--

Daily Current Affairs

Date : 08 January, 2026



बीकानेर

- बीकानेरी भुजिया
- उस्ता कला
- कशीदाकारी

कोटा

- कोटा डोरिया
- कोटा डोरिया (लोगो)

नागौर

- मकराना संगमरमर
- नागौरी अश्वगंधा

जैसलमेर

- पोकरण पॉटरी

प्रतापगढ़

- थेवा कला

पाली

- सोजत मेहंदी

राजस्थान

- कठपुतली
- कठपुतली (लोगो)

राजस्थान, हरियाणा, पंजाब

- फुलकारी

जोधपुर

- बंधेज कला

उदयपुर

- कोफ्तगिरी धातु शिल्प

--:5:--

विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग : राजस्थान के 44 युवाओं का चयन

चर्चा में क्यों?

- 'राष्ट्रीय युवा महोत्सव' में 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग' के लिए आयोजित प्रतियोगिता में राजस्थान के 44 युवाओं का चयन किया गया है।



मुख्य बिन्दु:

- साथ ही, राज्य के 29 युवाओं को सामूहिक लोक नृत्य, लोक गायन, कहानी लेखन, पेंटिंग और भाषण जैसी प्रतियोगिता एवं 02 युवाओं को 'हैक फॉर सोशल कॉज इवेंट' के लिए चुना गया है।

कुल संख्या : 75

- 29वाँ राष्ट्रीय युवा महोत्सव : 29वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव (NYF) को वर्ष 2026 में 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग (VBYLD)' के रूप में मनाया जा रहा है।

--6--

Daily Current Affairs

Date : 08 January, 2026



- **आयोजन** : 09 से 12 जनवरी, 2026 तक नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में।
- **आयोजक** : युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय।
- **अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:**
- **राजस्थान युवा महोत्सव, 2026** : आयोजन 7 से 12 जनवरी, 2026 तक।
- राजस्थान सरकार द्वारा स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर युवा एवं खेल महोत्सवों का प्रदेश, संभाग एवं जिला स्तर पर आयोजन किया जा रहा है।
- इसके अंतर्गत युवा कलाकारों को जिला स्तर पर ₹1,000, संभाग स्तर ₹1500 और राज्य स्तर पर ₹50,000 रुपये तक के पुरस्कार दिए जा रहे हैं।
- नेशनल यूथ आइकॉन अवॉर्ड की तरह प्रदेश में 'राजस्थान यूथ आइकॉन अवॉर्ड' और ₹1,00,000 की नकद राशि से सम्मानित किया जा रहा है।

UTKARSH

CIVIL
SERVICES

--7--

सीकर से 'कौशल रथ' का शुभारंभ

चर्चा में क्यों?

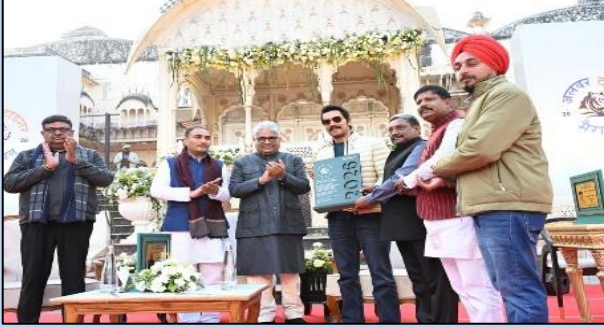
- 07 जनवरी, 2026 को केन्द्रीय कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयन्त चौधरी ने सीकर से 'कौशल रथ पहल' का उद्घाटन किया।



मुख्य बिन्दु:

- केंद्र सरकार के कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के अंतर्गत संचालित 'स्किल इंडिया - कौशल भारत - कुशल भारत' अभियान के तहत इस रथ का संचालन किया जाएगा।
- कौशल रथ एक विशेष कौशल जागरूकता एवं मोबिलाइजेशन कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण, छोटे शहरों और पिछड़े क्षेत्र के युवाओं को सरकारी कौशल विकास योजनाओं से जोड़कर उद्योग-आधारित प्रमाणित प्रशिक्षण एवं रोजगार के सुनहरे अवसर उपलब्ध कराना है।
- यह रथ रोजगार-उन्मुख पाठ्यक्रमों के बारे में जागरूकता फैलाकर, ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों से उम्मीदवारों को संगठित करके और प्रमाणित कौशल कार्यक्रमों में एनरोलमेंट को बढ़ावा देकर इच्छुक युवाओं और प्रशिक्षण प्रदाताओं के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु के रूप में कार्य करेगा।
- सीकर में इस पहल के तहत एक वर्ष की अवधि में कुल 2,496 उम्मीदवारों को संगठित, प्रशिक्षित, मूल्यांकित और प्रमाणित किया जाएगा।

✂ न्यूज़ इन शॉर्ट्स ⚡

क्र. सं.	न्यूज़
1.	<p>'अलवर टाइगर मैराथन' के ब्रांड एंबेसडर : रणदीप हुड्डा</p>  <ul style="list-style-type: none">■ अभिनेता रणदीप हुड्डा को 8 फरवरी, 2026 को आयोजित 'अलवर टाइगर मैराथन' का ब्रांड एंबेसडर बनाया गया।■ दिल्ली NCR क्षेत्र के एकमात्र टाइगर रिजर्व सरिस्का में वर्तमान में 50 बाघ-बाघिन व शावक है।
2.	<p>IIT जोधपुर और NLU जोधपुर के मध्य समझौता ज्ञापन</p> <ul style="list-style-type: none">■ हाल ही में, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) जोधपुर और राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (NLU) जोधपुर के मध्य समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए गए।■ इस समझौते के तहत देश का पहला संयुक्त विधि एवं प्रौद्योगिकी केंद्र (Joint Centre for Law and Technology) स्थापित किया जाएगा। IITJ-NLUJ संयुक्त विधि एवं प्रौद्योगिकी केंद्र भारत का पहला स्थायी, सह-शासित शैक्षणिक केंद्र होगा, जिसे किसी विधि विश्वविद्यालय और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से संचालित किया जाएगा।■ यह केंद्र संयुक्त मास्टर्स, संयुक्त पीएचडी और कार्यकारी शिक्षा जैसे कार्यक्रम आरंभ करेगा, जो उच्च शिक्षा में बहुविषयक सहयोग का एक आदर्श मॉडल प्रस्तुत करेगा।

3.	<p>जोनल रिव्यू कॉन्फ्रेंस : उदयपुर</p> <ul style="list-style-type: none">8 एवं 9 जनवरी, 2026 को केन्द्रीय सहकारिता मंत्रालय द्वारा उदयपुर में दो दिवसीय जोनल रिव्यू कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया।कॉन्फ्रेंस का उद्देश्य : सहकारिता के क्षेत्र में केंद्र एवं राज्यों द्वारा संचालित विभिन्न पहलों की प्रगति की समीक्षा करना तथा भविष्य की रणनीति पर विचार-विमर्श करना।कॉन्फ्रेंस के एक सत्र में 'अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025' के प्रमुख निष्कर्षों तथा मीडिया एवं संचार रणनीति पर भी चर्चा की गई।
4.	<p>हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड और सिलॉक्स इंडिया के मध्य MoU</p> <ul style="list-style-type: none">हाल ही में, हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड और सिलॉक्स इंडिया ने लो-कार्बन मैनुफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक समझौता किया।इसके तहत सिलॉक्स इंडिया, हिन्दुस्तान जिंक के लो-कार्बन जिंक ब्रांड इकोजेन को अपने मैनुफैक्चरिंग ऑपरेशंस में अपनाएगी।HZL ने वर्ष 2024 में इकोजेन (EcoZen) लॉन्च किया, जो एशिया का पहला 'लो कार्बन ग्रीन जिंक' ब्रांड है।हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड (HZL) वेदांता समूह की एक कंपनी है, जो दुनिया की सबसे बड़ी एकीकृत जिंक उत्पादक है और वैश्विक स्तर पर शीर्ष 5 चांदी उत्पादकों में से एक है।मुख्यालय : उदयपुर (राजस्थान)
5.	<p>राज्य स्तरीय पुलिस सम्मेलन : जयपुर</p> <ul style="list-style-type: none">आयोजन : 8 और 9 जनवरी, 2026 को राजस्थान पुलिस अकादमी (RPA), जयपुर।विषय : 'विकसित भारत में पुलिसिंग'।

6.

राजीविका एवं बयरफुट कॉलेज के मध्य MoU

- हाल ही में, राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद् (राजीविका) एवं बयरफुट कॉलेज, तिलोनीया (अजमेर) के मध्य एक गैर-वित्तीय समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए गए।

- समझौते का उद्देश्य :** ग्रामीण क्षेत्रों

की महिलाओं को 'सोलर दीदी' के रूप में प्रशिक्षित कर उन्हें समुदाय-स्तरीय सौर मरम्मत एवं अनुरक्षण तकनीशियन के रूप में सशक्त बनाना।

- इस समझौते के अंतर्गत राजीविका के स्वयं सहायता समूह नेटवर्क से चयनित महिलाओं को बयरफुट कॉलेज, तिलोनीया में 40 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।



7.

राजस्थान की पहली OBRC लैब : बीकानेर



- बीकानेर के प्रिंस बिजय सिंह मेमोरियल (PBM) चिकित्सालय में राजस्थान की पहली ऑर्थो बायोलॉजिकल रिजनरेटिव केयर (OBRC) लैब का शुभारंभ किया गया।

- ऑर्थो बायोलॉजिकल रिजनरेटिव केयर (OBRC) एक आधुनिक चिकित्सा पद्धति है जो शरीर की स्वाभाविक उपचार क्षमताओं को बढ़ावा देने के लिए प्राकृतिक जैविक पदार्थों का उपयोग करती है। इसका उद्देश्य मस्क्युलोस्केलेटल (मांसपेशियों, हड्डियों और जोड़ों से संबंधित) ऊतकों में चोटों और बीमारियों को ठीक करना है।

9.

7वें रोल बॉल विश्व कप में राजस्थान के 3 खिलाड़ी



- दुबई में 14 से 18 दिसंबर, 2025 तक आयोजित 7वें रोल बॉल विश्व कप में भारतीय पुरुष और महिला टीमों ने स्वर्ण पदक जीता।
- इस विश्व कप में राजस्थान के 3 खिलाड़ियों ने भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया।
- **3 खिलाड़ी** : महिपाल महला (सीकर) और आदित्य प्रताप सिंह राणावत (प्रतापगढ़) पुरुष टीम में और प्रीतिका तारावत (अजमेर) महिला टीम में।
- **सहायक कोच** : नवीराज सिंह शेखावत (राजस्थान)

राष्ट्रीय परिदृश्य

भारतीय मानक ब्यूरो-BIS

चर्चा में क्यों?

- भारतीय मानक ब्यूरो ने एक नया मानकीकरण पोर्टल तथा महिलाओं के लिए SHINE जैसी पहलें शुरू की।



मुख्य बिन्दु:

SHINE: (Standards Help Inform & Nurture Empowered Women) योजना-

- यह महिलाओं को मानकों, सुरक्षा और गुणवत्ता के बारे में शिक्षित करके उन्हें सशक्त बनाएँगी।

भारतीय मानक ब्यूरो-BIS -

- **शुरुआत:** इसकी शुरुआत वर्ष 1947 में भारतीय मानक संस्थान (ISI) के रूप में हुई थी।
- **वैधानिक दर्जा:** BIS अधिनियम-2016 के तहत इसे वैधानिक दर्जा दिया गया।
- **मंत्रालय:** केन्द्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के अधीन।
- **कार्य:** BIS भारत की राष्ट्रीय मानक निर्धारक संस्था है।



अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य



अंतरराष्ट्रीय चारागाह एवं पशुपालक वर्ष



चर्चा में क्यों?

- संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2026 को अंतरराष्ट्रीय चारागाह और पशुपालक वर्ष घोषित किया है।



मुख्य बिन्दु:

चारागाह व पशुपालक - अतिरिक्त जानकारी -

- **चारागाह:** ये पृथ्वी की लगभग स्थलीय सतह पर विस्तृत है।
- **उदाहरण:** मध्य एशिया के स्टेपी, अफ्रीकी सवाना, यूरोप के आल्प्स व पिरेनीज़, दक्षिणी अमेरिकी के एन्डीज और संयुक्त राज्य अमेरिका के ग्रेट प्लेन्स।
- **कार्यान्वयन:** संयुक्त राष्ट्र के FAO - खाद्य एवं कृषि संगठन के नेतृत्व में अन्य हितधारकों के सहयोग से।

पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

आर्कटिक रिपोर्ट कार्ड - ARC-2025

चर्चा में क्यों?

- यह रिपोर्ट कार्ड नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन (NOAA) जारी किया है, जो स्पष्ट रूप से रेखांकित करता है कि आर्कटिक क्षेत्र शेष विश्व की तुलना में कहीं अधिक तेजी से गर्म हो रहा है।



मुख्य बिन्दु:

ARC के मुख्य बिन्दु:

1. **आर्कटिक सतह की वायु का तापमान:** विगत वर्ष 1900 के बाद से अब तक का सर्वाधिक तापमान दर्ज। पिछले 10 वर्ष आर्कटिक के इतिहास के 10 सबसे गर्म वर्ष रहे हैं।
2. **अटलांटिकफिकेशन:** उच्च एवं निम्न आक्षांशों के मध्य जीवों का संचरण, उष्मा स्थानांतरण, समुद्री बर्फ का पिघलना तथा वैश्विक महासागरीय परिसंचरण तंत्र में अनियमितता उत्पन्न हो रही है।

--:15:--

3. **नदियों में रस्टिंग होना:** सतही पर्माफ्रॉस्ट के पिघलने से धात्विक खनिजों के सतही जल में मिश्रण से मछली एवं स्थानीय समुदायों की जलापूर्ति नकारात्मक रूप से प्रभावित होती है।
4. **आर्कटिक में हरित आवरण:** टुण्ड्रा वनस्पतियों की उत्पादकता में वृद्धि जी एल्विडो प्रभाव, आर्कटिक परिदृश्य, वन्यजीव पर्यावास, जैव विविधता, पर्माफ्रॉस्ट, स्थानीय आजीविका आदि पर नकारात्मक प्रभाव उत्पन्न होता है।

आर्कटिक हिम पिघलने के भू-राजनीतिक निहितार्थ-

1. **नए पोत परिवहन मार्ग:** जैसे:- कारा सागर से बेरिंग जलडमरू तक।
2. **आर्कटिक परिषद् की भूमिका में वृद्धि:-** स्थापना - वर्ष 1996
 - **सदस्य देश-8:** कनाडा, डेनमार्क, फिनलैंड, आइसलैंड, नॉर्वे, रूस, स्वीडन, USA
3. **भारत के लिए महत्त्व:** अपने अनुसंधान केन्द्र हिमाद्री एवं आर्कटिक नीति के साथ, भारत इस क्षेत्र में अपनी भागीदारी व अनुसंधान को और मजबूत कर सकता है।

⌚ विज्ञान प्रौद्योगिकी ⚡

रेसिड्यू अपग्रेडेशन फैसिलिटी - RUF और हाइड्रोक्रैकिंग प्रौद्योगिकी



चर्चा में क्यों?

- हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड - HPCL ने आन्ध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में एक अत्याधुनिक रेसिड्यू अपग्रेडेशन फैसिलिटी-RUF का संचालन शुरू किया है।



मुख्य बिन्दु:

- इसकी क्षमता 3.55 MMT प्रतिवर्ष है।
- यह सुविधा उन्नत रेसिड्यू हाइड्रोक्रैकिंग प्रौद्योगिकी का उपयोग करती है।

हाइड्रोक्रैकिंग प्रौद्योगिकी-

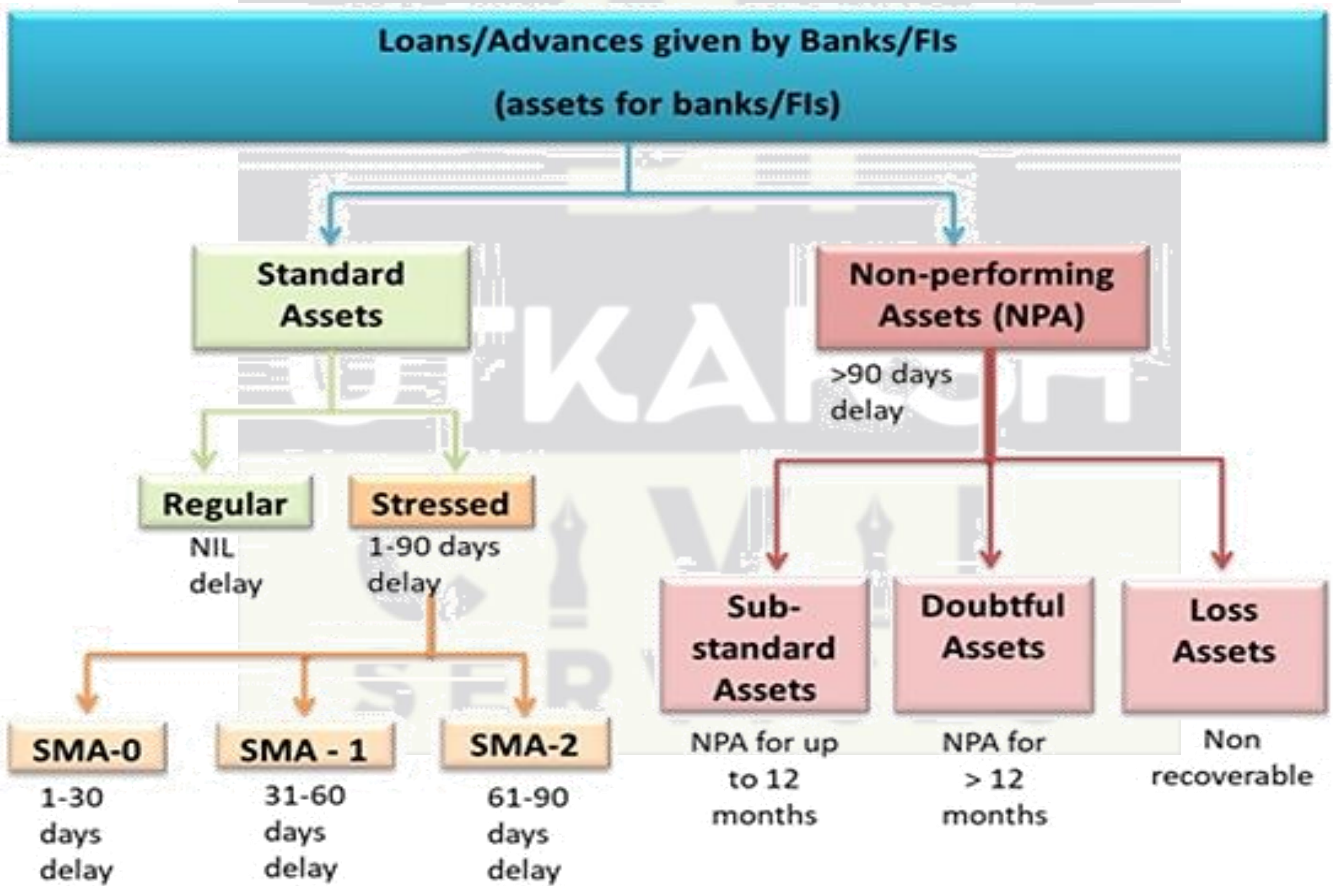
- यह एक उत्प्रेरक प्रक्रिया है, इसका उपयोग तेल रिफाइनरियों में भारी तेल के अंशों को उच्च गुणवत्ता वाले मध्य आसवन उत्पादों और हल्के उत्पादों (डीजल, नेफथा, LPG) में बदलने के लिए किया जाता है।
- इस प्रक्रिया में उच्च आण्विक भार वाले अणुओं को खण्डित करके हल्के यौगिकों का निर्माण किया जाता है।

आर्थिक परिदृश्य

बैंकों की सकल गैर-निष्पादित परिसम्पत्तियाँ - NPA

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने भारत में बैंकिंग की प्रवृत्ति और प्रगति रिपोर्ट-2024-25 जारी की।



मुख्य बिन्दु:

- भारतीय बैंकों का NPA कई दशकों से निचले स्तर पर पहुँच गया है।
- सकल NPA (GNPA) - 2025 के अंत तक गिरकर 2.1% रह गया।
- निवल NPA (NNPA) - मार्च, 2025 तक घटकर 0.5% रह गया।
- नोट: बैंकों का GNPA अनुपात 2018 में 11.18% के उच्च स्तर पर था।

--:18:--

गैर-निष्पादित परिसम्पत्तियाँ-NPS

- जब किसी बकाया ऋण या अग्रिम के मूलधन या ब्याज का भुगतान निर्धारित तिथि से 90 दिनों तक नहीं किया जाता है, तब वह ऋण NPA बन जाता है।
- **सकल NPA:** यह उन ऋणों का कुल मूल्य है, जहाँ ब्याज या मूलधन बकाया है।
- **निवल NPA:** यह GNPA में से प्रोविजन को घटाकर प्राप्त किया जाता है।
- **प्रोविजन:** यह वह धनराशि है, जिसे बैंक संभावित नुकसान को कवर के लिए अलग रखते हैं।



Daily Current Affairs

Date : 08 January, 2026



NPA को कम करने के लिए शुरू की गई पहलें:-

1. दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता - 2016
2. सारफेसी अधिनियम - 2002
3. परिसम्पत्ति पुनर्निर्माण कंपनियाँ - ARCs
4. इन्द्रधनुष योजना
5. ऋण वसूली अधिकरण - DRTs



-:20:-

महत्त्वपूर्ण सूचकांक एवं रिपोर्ट

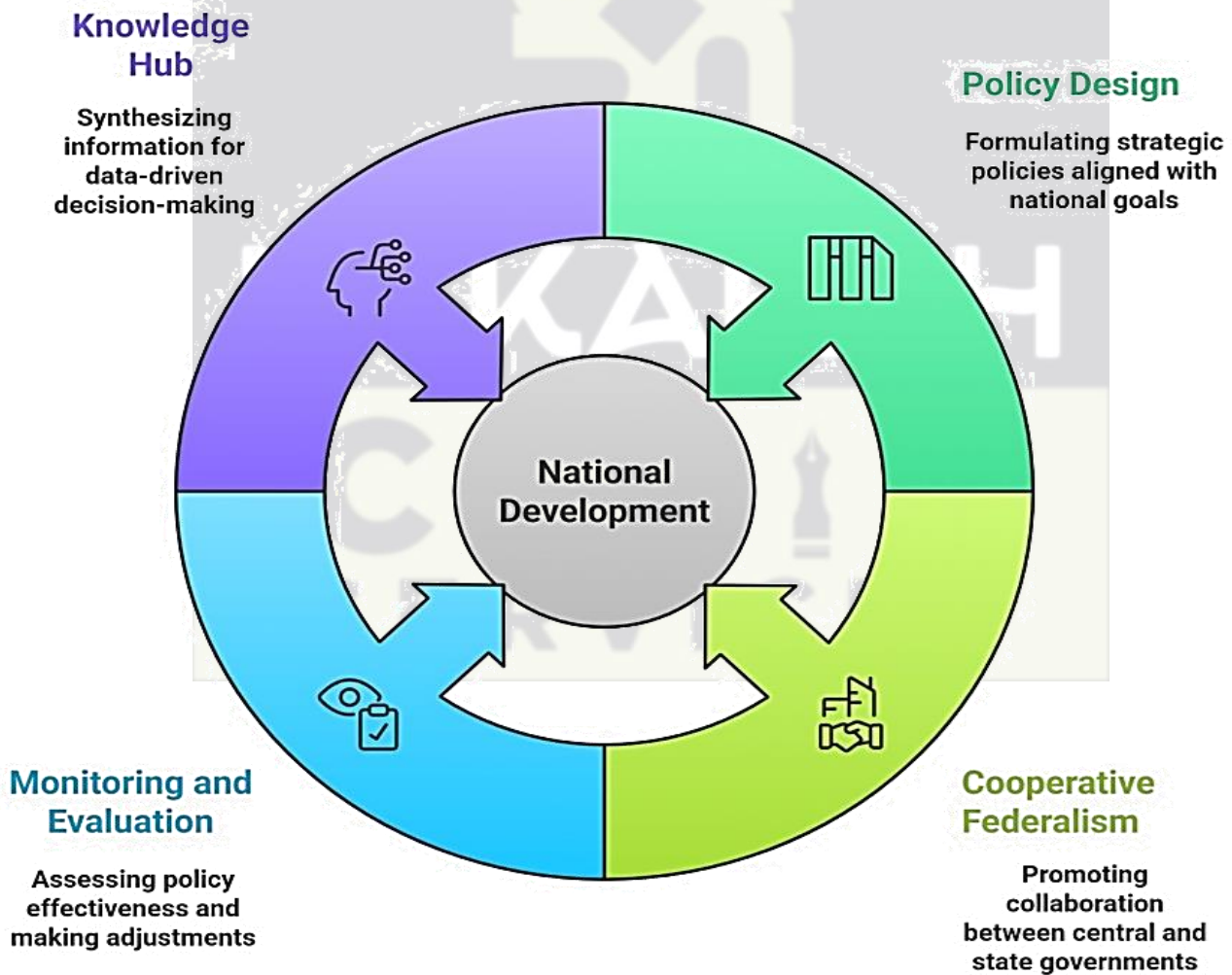
किफायती आवास को बढ़ावा देने के लिए फ्रेमवर्क रिपोर्ट



चर्चा में क्यों?

- नीति आयोग ने किफायती आवास को बढ़ावा देने के लिए व्यापक फ्रेमवर्क शीर्षक रिपोर्ट जारी की।

Functions of NITI Aayog



मुख्य बिन्दु:

- नीति आयोग की रिपोर्ट किफायती आवास के लिए एक कार्यशील परिभाषा प्रदान करती है।

इस परिभाषा के अनुसार-

- **महानगरीय शहर:** एक ऐसी आवासीय इकाई, जिसका कारपेट एरिया 60 वर्ग मीटर तक और मूल्य ₹ 60 लाख तक हो किफायती आवास है।
- **गैर-महानगरीय क्षेत्र:** एक ऐसी आवासीय इकाई, जिसका कारपेट एरिया 90 वर्ग मीटर तक और मूल्य ₹ 45 लाख तक हो, किफायती आवास है।
- प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी (PMAY-U) 2.0, 2024 किफायती आवास को उपर्युक्त कारपेट एरिया और ₹ 45 लाख से अनधिक मूल्य के रूप में परिभाषित करती है।

सीमित भूमि उपलब्धता

भारत में
किफायती आवास संकट
के लिए
उत्तरदायी कारक

औपचारिक ऋण के
लिए स्थिर आय का
अभाव

खाली आवासों की
समस्या

सभी आवासीय भूमि का न्यूनतम 10% किफायती
आवास के रूप में चिह्नित करना

किफायती

आवास को लेकर की गई
मुख्य सिफारिशें

10-15% आवास
निम्न आय वर्गों के
लिए आरक्षित

किराया आवास के कानूनी
ढाँचे में सुधार

--:22:--

✂ न्यूज़ इन शॉर्ट्स ⚡

क्र. सं.	न्यूज़
1.	<p>भारतीय रेलवे</p>  <p>■ भारतीय रेलवे विश्व का सबसे बड़ा विद्युतीकरण रेल नेटवर्क बन गया है, जिसके ब्रॉडगेज नेटवर्क का लगभग 99.2 प्रतिशत हिस्सा नवम्बर, 2025 तक विद्युतीकृत हो चुका है, जो मिशन 100 प्रतिशत रेलवे विद्युतीकरण के तहत महत्वपूर्ण उपलब्धि है।</p>